Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यासससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 02 अगस्त 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 305

चंद्रयान -3 : ट्रांसलूनर कक्षा में सफल प्रवेश, अगला पड़ाव चंद्रमा

चेन्नई (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को चंद्रमा पर जाने वाले अंतरिक्ष यान चंद्रयान 3 को ट्रांसलूनर कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। इसरो ने ट्वीट किया, चंद्रयान-3 पृथ्वी के चारों ओर अपनी परिक्रमा पूरी कर ली और चंद्रमा की ओर बढ़ गया है। आईएसटीआरएसी में एक सफल पेरिगी-फायरिंग की गई, इसरो ने अंतरिक्ष यान को ट्रांसलूनर कक्षा में स्थापित कर दिया है। अगला पड़ाव : चंद्रमा। चंद्रयान -ऑर्बिट इंसर्शन (एलओआई) की योजना 5 अगस्त, 2023 को चंद्रमा पर पहुंचाने की है।

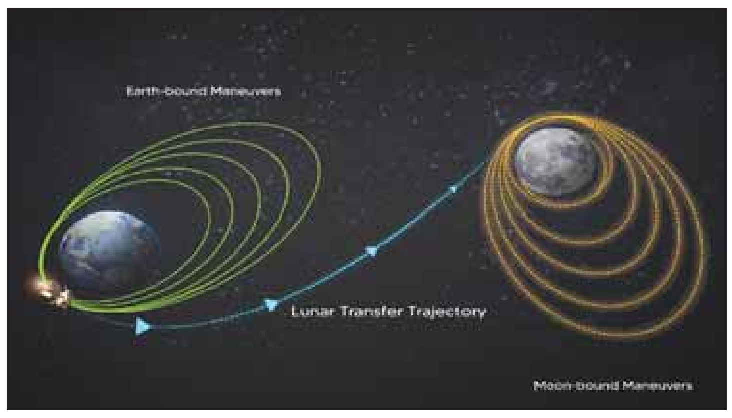

ट्रांसलूनर ऑर्बिट इंजेक्शन वह प्रक्रिया है, जिसके तहत चंद्रमा की ओर जाने वाले अंतरिक्ष यान को एक प्रक्षेप पथ में डाल दिया जाता है, ताकि वह चंद्रमा तक पहुंच सके। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वह 5 अगस्त, 2023 को एलओआई प्रक्रिया को अंजाम देगी। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को भारत के हेवी लिफ्ट रॉकेट एलवीएम3 द्वारा कॉपीबुक शैली में 14 जुलाई, 2023 को कक्षा में स्थापित किया गया था।

चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान में एक प्रणोदन मॉड्यूल (वजन 2,148 किलोग्राम), एक लैंडर (1,723.89 किलोग्राम) और एक रोवर (26 किलोग्राम) शामिल है। मिशन का मुख्य उद्देश्य लैंडर को चंद्रमा की धरती पर सुरक्षित उतारना है। चंद्र कक्षा में प्रवेश करने के कुछ दिनों बाद लैंडर प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग हो जाएगा।

लैंडर के 23 अगस्त की शाम 5.47 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग करने की उम्मीद है। लैंडर चंद्रमा की सतह से लगभग 100 किमी की ऊंचाई से चंद्रमा पर उतरेगा। सॉफ्ट लैंडिंग एक पेचीदा मुद्दा है, क्योंकि इसमें रफ और फाइन ब्रेकिंग सहित जटिल युद्धाभ्यासों की एक श्रृंखला शामिल होती है।

सुरक्षित और खतरा-मुक्त क्षेत्र खोजने के लिए लैंडिंग से पहले लैंडिंग साइट क्षेत्र की इमेजिंग की जाएगी। सॉफ्ट लैंडिंग के बाद छह पहियों वाला रोवर बाहर निकलेगा और एक चंद्र दिवस की अवधि के लिए चंद्र सतह पर प्रयोग करेगा जो पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर है।

ठाणे में बड़ा हादसा : गार्डर लॉन्चिंग मशीन गिरने से 16 लोगों की मौत, 6 अभी भी मलबे में दबे

ठाणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह जिले ठाणे के शाहपुर में मंगलवार सुबह एक गार्डर लॉन्चिंग मशीन गिरने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह घटना मंगलवार तडक़े शाहपुर तहसील के सरलांबे गांव के पास हुई। हादसे के समय एक पुल के लिए गार्डर लॉन्चिंग का काम चल रहा था। जानकारी के मुताबिक मशीन का इस्तेमाल 701 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस-वे फेज तीन के निर्माणाधीन पुल के लिए किया जा रहा था।

आशंका है कि अन्य छह मजदूर और इंजीनियर मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की दो टीमें राहत और बचाव अभियान चला रही हैं। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि अब तक 16 शव निकाले जा चुके हैं और तीन लोग घायल हुए हैं।'

बेंगलुरु में कॉलेज छात्रा से सामूहिक बलात्कार के आरोप में डांस टीचर सहित तीन गिरफ्तार

बेंगलुरु (आरएनएस)। बेंगलुरु के कोडिगेहल्ली पुलिस थाना क्षेत्र में एक कॉलेज छात्रा से सामूहिक बलात्कार के आरोप में एक नृत्य शिक्षक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान एक निजी स्कूल में नृत्य शिक्षक एंडी जॉर्ज, संतोष और शशि के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, एंडी की सोशल मीडिया के जरिए कॉलेज छात्रा से दोस्ती हुई। उसने उनके निजी पलों को रिकॉर्ड कर लिया और उसे धमकाना शुरू कर दिया।

आरोपी पर शक होने और डरने के कारण लडक़ी ने उससे दूरी बना ली। बाद में, उसने उसे ब्लैकमेल किया कि वह उसकी निजी तस्वीरें साझा करने की धमकी देकर रेप किया। उसने इस कृत्य को भी रिकॉर्ड कर लिया और इस फुटेज का उपयोग करके वह उसे ब्लैकमेल करता रहा और उसके साथ रेप करता रहा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने अपने दोस्तों को घर बुलाया था और सभी ने उसके साथ रेप किया।

आरोपी ने उसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिए थे। पीड़िता ने किसी तरह हिम्मत जुटाई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस तुरंत हरकत में आई और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मोबाइल फोन और एक पेन ड्राइव जब्त कर ली है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, कूनो में किसी भी चीते की मौत अप्राकृतिक कारणों से नहीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में किसी भी चीते की मौत अवैध शिकार, जाल में फंसाने, जहर देने, सडक़ पर टकराने, बिजली के झटके जैसे अप्राकृतिक कारणों से नहीं हुई है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि एनटीसीए के पास आज यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि कूनो में किसी अंतर्निहित अनुपयुक्तता के कारण मौतें हुईं और सामान्य तौर पर चीतों की जीवित रहने की दर बहुत कम है, यानी गैर-परिचयित आबादी में वयस्कों में 50 प्रतिशत से कम।

इसके अलावा कहा गया है कि शावकों के जीवित रहने की दर लगभग 10 प्रतिशत संभावना हो सकती है। केंद्र सरकार ने बताया कि पशु चिकित्सा देखभाल, दिन-प्रतिदिन प्रबंधन और निगरानी और चीतों की पारिस्थितिकी और व्यवहार से संबंधित अन्य पहलुओं का काम एनटीसीए द्वारा अंतरराष्ट्रीय अनुभवी विशेषज्ञों के परामर्श से किया जा रहा है। 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से चार महीने की अवधि में कूनो में आठ चीतों की मौत पर कुछ सकारात्मक कदम उठाने को कहा और मामले में अद्यतन स्थिति रिपोर्ट मांगी थी।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, पिछले सप्ताह दो और मौतें। यह प्रतिष्ठा का प्रश्न क्यों बनता जा रहा है कृपया कुछ सकारात्मक कदम उठाएं। पीठ ने सरकार को इस बात पर विचार करने का सुझाव दिया था कि क्या चीतों को राजस्थान के जवाई राष्ट्रीय उद्यान जैसे अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया जा सकता है।

एनटीसीए ने विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मुकुंदरा टाइगर रिजर्व, राजस्थान चीतों को रखने के लिए उपयुक्त नहीं है क्योंकि 2020 में बहुत ही कम समय के भीतर पांच बाघों की मौत/गायब हो गए थे। इसमें कहा गया है कि टाइगर रिज़र्व में बड़ी संख्या में जंगली मवेशी हैं, इनमें काफी मात्रा में परजीवी होते हैं, जो चीतों के जीवित रहने की संभावनाओं के लिए हानिकारक हो सकते हैं। अफ्रीका से कुनो लाए गए 20 में से पांच वयस्क चीतों और कुनो में जन्मे चार शावकों में से तीन की मार्च से मौत हो चुकी है।

वन्यजीव विशेषज्ञों को संदेह है कि हाल ही में मृत दो नर चीतों – तेजस और सूरज – को उनके रेडियो कॉलर (जीपीएस से सुसज्जित) के कारण कीड़ों का संक्रमण हुआ और उनके अंग भी इसी तरह क्षतिग्रस्त हुए।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में स्थित 139.04 एकड़ जमीन प्रशासन को सौंपेगी सेना

श्रीनगर (आरएनएस)। एक महत्वपूर्ण सद्भावना संकेत के रूप में सेना ने श्रीनगर शहर के मध्य में स्थित 139.04 एकड़ रक्षा भूमि का कब्जा स्थानीय प्रशासन को सौंपने का फैसला किया है।

सद्भावना का संकेत नागरिक आबादी और सेना के बीच टकराव से बचने के लिए एक बड़ा कदम है, जो 50 वर्षों से लगातार जम्मू-कश्मीर सरकारों की एक प्रमुख मांग रही है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया, टैटू ग्राउंड में 139.04 एकड़ रक्षा भूमि को पर्यटन और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए विकसित किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय ने पर्यटन और अन्य को बढ़ावा देने के लिए टैटू ग्राउंड में स्थित 139.04 एकड़ की रक्षा भूमि को गृह मंत्रालय को हस्तांतरित करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर सरकार के माध्यम से गृह मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

उपराज्यपाल, मनोज सिन्हा ने राजभवन में हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की। रक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधित्व टैटू ग्राउंड गैरीसन के स्थानीय सैन्य प्राधिकरण और रक्षा संपदा अधिकारी कश्मीर सर्कल श्रीनगर के माध्यम से किया गया था। रक्षा मंत्रालय द्वारा 120 दिनों की अवधि के भीतर जमीन सौंप दी जाएगी।

उपराज्यपाल ने एमओयू को जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख पर्यटन स्थल विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। सहयोग के लिए सेना की सराहना करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि प्रशासन और सुरक्षा बल लोगों के कल्याण के लिए समर्पित हैं।

उपराज्यपाल ने कहा, हम एमओयू की सभी शर्तों को पूरा करने के लिए ईमानदार और समर्पित प्रयास करेंगे और पर्यटन और अन्य संबंधित गतिविधियों को इस तरह विकसित करेंगे कि कश्मीर घाटी में आने वाले पर्यटकों को टैटू ग्राउंड सबसे आकर्षक स्थलों में से एक लगे।

उन्होंने सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहीदों के सम्मान में चलाए जाने वाले 'मेरा माटी मेरा देश' अभियान और स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की।

इस अवसर पर, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, जीओसी 15 कोर; उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मनदीप कुमार भंडारी; श्विजय कुमार, एडीजीपी कश्मीर विजय बिधूड़ी, संभागीय आयुक्त कश्मीर, सेना और केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एटीएम बदलकर रुपए निकालने वाले को गाजियाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (आरएनएस)। अगर आप भी एटीएम बूथ जाते हैं और वहां पर किसी दूसरे की मदद लेकर अपना एटीएम ऑपरेट करते हैं, तो आप भी सावधान हो जाएं। गाजियाबाद पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो लोगों की मदद करने के नाम पर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया करता था और फिर उससे पैसे निकाला करता था। पकड़े आरोपी ने अब तक कई लोगों को ठगा है।

गाजियाबाद के थाना मसूरी पुलिस को चेकिंग व गस्त के दौरान सूचना मिली कि एक व्यक्ति, जो एटीएम बूथ पर लोगों की मदद करने के बहाने उनके एटीएम बदलकर पैसे निकाल लेता है, वह एक्सिस बैंक एटीएम रफीकाबाद के पास घूम रहा है। थाना मसूरी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक्सिस बैंक एटीएम के पास से कमल पुत्र अशोक कुमार हाल निवासी ई-7 198 सुल्तानपुरी थाना सुल्तानपुरी दिल्ली उम्र करीब 30 वर्ष मूल निवासी मकान- नंबर 48/1 इन्द्रा कॉलोनी थाना सिटी, जिला रोहतक, हरियाणा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 3 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ पर अभियुक्त ने बताया कि वह बेरोजगार होने के कारण अपनी आर्थिक प्रति-पूर्ति के लिऐ दिल्ली एंव एनसीआर क्षेत्र मे एटीएम के आस-पास घूम-फिरकर रैकी करता रहता है, अक्सर कम पढ़े-लिखे एंव बुजुर्ग लोगों की मदद के बहाने उनके एटीएम कार्ड बदलकर पैसे निकाल लेता था।

भारतीय सेना में ब्रिगेडियर और ब्रिगेडियर रैंक से ऊपर के अधिकारियों की यूनिफार्म हुई एक समान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय सेना के अधिकारियों की यूनिफार्म में नए बदलावों को मंजूरी दी गई है। इस मंजूरी के अंतर्गत 1 अगस्त से सेना में ब्रिगेडियर और ब्रिगेडियर से ऊपर के रैंक के सभी अधिकारी के लिए एक समान यूनिफॉर्म लागू की गई है। अभी तक विभिन्न सैन्य अधिकारी अपनी संबंधित रेजिमेंट को दर्शाने वाली अलग-अलग यूनिफॉर्म पहनते हैं।

अभी तक पैराशूट रेजिमेंट के अधिकारी मैरून रंग की टोपी पहनते हैं, जबकि पैदल सेना, बख्तरबंद कोर, लड़ाकू सहायता हथियारों और सेवाओं के अधिकारी हरे, काले और नीले रंग की टोपी पहनते हैं। इस नए बदलाव से सेना में विभिन्न रेजिमेंट और सर्विसेज व हथियारों को दर्शाने वाली अलग-अलग वर्दी और साज-सामान पहनने वाली प्रथा समाप्त हो गई है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि अब सैन्य अधिकारियों की टोपी, कंधे पर पहने जाने वाले बैज, वर्दी के कॉलर पर पहने जाने वाले जॉर्जेट पैचेज, बेल्ट और जूते एक जैसे होंगे।

सेना की यूनिफार्म में किए जा रहे इस महत्वपूर्ण बदलाव का अर्थ यह है कि ब्रिगेडियर पद पर पहुंचने के उपरांत पैरा अधिकारी अब मैरून रंग की टोपी नहीं पहनेंगे और न ही बख्तरबंद अधिकारी अपनी विशिष्ट बेल्ट पहनेंगे। हालांकि, अभी भी कर्नल रैंक और उससे नीचे के अधिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक फ्लैग रैंक यानी ब्रिगेडियर और उनसे ऊपर के अधिकारियों के हेडगियर, शोल्डर रैंक बैज, गॉर्जेट पैच, बेल्ट और जूते अब मानकीकृत और एक समान हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक इसके अलावा फ्लैग-रैंक के अधिकारी भी अब डोरी नहीं पहनेंगे।

गौरतलब है कि इसी वर्ष, महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली सेना के कमांडरों की बैठक आयोजित की गई थी। इसी दौरान विचार-विमर्श और सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है।

इस निर्णय में यह तर्क दिया गया है कि भारतीय सेना में इससे ब्रिगेडियर और उच्चतर रैंक वाले अधिकारी के लिए यह यूनिफार्म सेना के लोकाचार को दर्शाते हुए सभी वरिष्ठ रैंक के अधिकारियों के लिए एक सामान्य पहचान सुनिश्चित करेगी। गौरतलब है कि विभिन्न प्रकार की वर्दी और साज-सज्जा का भारतीय सेना में संबंधित शस्त्रों, रेजिमेंटों और सेवाओं से विशिष्ट संबंध है।

वहीं, अधिकारियों का यह भी मानना है कि आर्म्स या रेजिमेंट या सर्विसेज के भीतर विशिष्ट पहचान के साथ यह पहचान जूनियर लीडरशिप और रैंक और फ़ाइल के लिए आवश्यक है, ताकि भाईचारा, एस्प्रिट डे कॉर्प्स और रेजिमेंटल लोकाचार को और मजबूत किया जा सके, जो कि सैनिकों की आधारशिला है। यूनिट या बटालियन स्तर पर, पहचान की एक अलग भावना एक ही रेजिमेंट में अधिकारियों और पुरुषों के बीच एक मजबूत बंधन को दर्शाती है।

हालांकि जब एक बार एक अधिकारी ब्रिगेडियर बन जाता है, तो वह वरिष्ठ अधिकारियों के सामान्य पूल में आ जाता है। उदाहरण के लिए, एक सामान्य अधिकारी या इंजीनियरों में से कोई वास्तव में एक इन्फैंट्री ब्रिगेड या एक डिवीजन को कमांड कर सकता है।

सेना ने पिछले साल अपने सभी जवानों के लिए नई डिजिटल प्रिंट वाली कॉम्बैट यूनिफॉर्म पेश की थी। इसमें पिछली शैली के विपरीत, शर्ट में कोई टकिंग नहीं है। पतलून में भी सिपाही की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त जेब होती हैं। कपड़े के लिए चुनी गई सामग्री को हल्का लेकिन मजबूत, गर्मी और सर्दी दोनों के लिए उपयुक्त रखा गया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

अविश्वास प्रस्ताव पर 8 अगस्त से होगी चर्चा, 10 को पीएम मोदी देंगे जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। मणिपुर मामले को लेकर संसद के दोनों सदन हंगामे से भर रहे हैं। इसी बीच मोदी सरकार के खिलाफ लाएगएअविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की तारीख तय हो गई है।चर्चा 8 से 10 अगस्त तक चलेगी और 10 अगस्त को पीएम मोदी प्रस्ताव पर जवाब देंगे। राज्यसभा के चेयरमैन ओम बिरला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 8 दिनों से एक ही मुद्दे पर सदन में हंगामा हो रहा है और कार्यवाही नहीं चल पा रही है, मैंने कल फ्लोर लीडर्स के साथ एक बैठक की थी, जिसमें कहा था कि मणिपुर की घटना पर एक शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन के लिए ढाई घंटे का समय तय किया गया है, लेकिन सदन में हंगामे की वजह से यह चर्चा भी अधूरी रही है।2014 में सीपीएम नेता सीताराम येचुरी ने भी एक मुद्दे पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग की थी, उस समय चेयरमैन ने रूलिंग दी थी यह मांग नियमों के तहत सही नहीं है।

हाफ पैंट पहनकर आए लुटेरों में बैंक में डाली डकैती, 1.16 करोड़ लूटे

वैशाली (आरएनएस)। यहां लुटेरों ने एक्सिस बैंक की शाखा से 1.16 करोड़ रुपये लूट लिए। वारदात आज सुबह करीब 11.30 बजे हुई। लुटेरों की संख्या पांच थी और वे हाफ पैंट पहने हुए थे। वारदात लालगंज के तिनपुलवा चौक स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में हुई। बैंक लूट की खबर से पूरे इलाके में हडक़ंप मच गया है। लूट की सूचना मिलते ही मौके पर तुरंत डीएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी एक्सिस बैंक की शाखा पहुंच गए हैं। बैंक का गेट बंदकर पुलिस वहां मौजूद सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला जा रहा है।

पानी भरने को लेकर महिलाओं के बीच हुआ विवाद, एक की मौत

भिण्ड (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले में पानी भरने को लेकर महिलाओं के बीच हुए विवाद के दौरान मारपीट में गंभीर रूप से घायल एक महिला की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि गोरमी थाना क्षेत्र के कोट परोसा गांव में चार दिन पूर्व प्रीती बघेल और ममता बघेल का नहनी से पानी भरने को लेकर विवाद हो गया, जिसमें दोनों ने नहनी के साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गई और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि ममता और प्रीती बघेल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा।

चार श्रीलंकाई शरणार्थी धनुषकोडी, तमिलनाडु पहुंचे

चेन्नई (आरएनएस)। चार श्रीलंकाई शरणार्थियों का एक परिवार मंगलवार तडक़े तमिलनाडु के धनुषकोडी पहुंचा। सूत्रों ने बताया कि मछुआरों ने तमिलनाडु तटीय पुलिस को धनुषकोडी के तट के पास शरणार्थियों की मौजूदगी के बारे में सूचित किया था। पुलिस पहुंची और कहा कि दंपति अपने दो बच्चों के साथ लंका में संकट से बचने के लिए भारतीय तट पर पहुंचे थे। श्रीलंका में आर्थिक संकट के बाद तमिलनाडु पहुंचे शरणार्थियों की संख्या 270 तक पहुंच गई है। परिवार को धनुषकोडी के पास शरणार्थी शिविर में ले जाया गया। गौरतलब है कि श्रीलंका आर्थिक संकट से जूझ रहा है और रानिल विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार संकट से उबरने के लिए आईएमएफ से ऋण लेने सहित कई कदम उठा रही है।

उच्च न्यायालय ने एमएलसी नामांकन वापस मसले पर महाराष्ट्र सरकार से मांगा जवाब

मुंबई (आरएनएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पांच सितंबर 2022 को महा विकास अघाड़ी द्वारा अनुशंसित 12 एमएलसी नामांकन वापस लेने के फैसले को लेकर दायर जनहित याचिका पर महाराष्ट्र सरकार से 10 दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। राज्यपाल द्वारा मनोनीत किए जाने वाले विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के 12 पद करीब तीन साल से रिक्त हैं। राज्य सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने न्यायालय को बताया कि अभी तक 12 एमएलसी पदों के लिए राज्यपाल के समक्ष कोई नयी अनुशंसा नहीं आयी है। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2020 में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार ने 12 एमएलसी नामांकन की अनुशंसा की थी। मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी।